भजन

आए हैं प्राणनाथ यहाँ,सब राज खोल दिए
जिनको न कोई जान सका,अब वोह ही आ गए

1– सब ग्रन्थ जिनको ढूंढते, हैं ये तो वहीं
आ जाओ इनके चरणों में, अब न कुछ कहीं
पूर्ण ब्रह्म जिन्हें कहा....

2– पूर्ण ब्रह्म तो सबके हैं, किसी एक के नहीं
जाहेर हुए सबके लिए, क्यूँ देखते नहीं
पहचान जिसने है लिया....

3– धंन धंन वो तो हो गए, पहचान जो करे
है जिनका दिल जिन भांत का, तिन विध पिया मिले
जिसने जैसा है लिया....

4– यहाँ तीनों सृष्टि आई हैं, तीनों की चाल जुदी
सब जाहिर अब तो हो रही, कहने की बात नहीं
सब देख रहे हैं आप पिया